

Department of Anthropology  
R. L. S. Y. College, Kanker  
Ranchi

Faculty: - Dr. Divesh Kumar

Brief of chapter (family)

TOPIC: - Family

Paper - C1

UNIT - IV

Definition of the family:-

Maciver & Page: - "The family is a group of a sex relationship sufficiently precise and enduring to provide for the procreation and upbringing of children".

- General characteristics of family:-

- Distinctive features of family:-

- Theories on the origin of family:-

- a) Classical Theory
- b) Theory of Sex Communism
- c) Evolutionary theory
- d) Theory of Monogamy
- e) Theory of Matriarchy.

- Different types of family:-

- a) Nuclear family.
- b) Conjugal family.
- c) Joint family.
- d) Extended family.

- Functions of family.

- Some examples of Tribal Families.

- a) Patrilineal family - ex - Khasia tribe
- b) Matrilineal family - ex - Khasi tribe

College - RLSY College  
 Dept - Anthropology  
 Faculty - Dr. Rajee Kumar  
 (Asst Professor)

Topic - मानवशास्त्र क्या है ?  
 (Core - 1, Unit 1)

Introduction of 'Anthropology'

मानवशास्त्र को अंग्रेजी में "Anthropology" कहा जाता है जो ग्रीक भाषा के शब्दों से मिलकर बना है।

Anthropology - Anthropos + Logos  
 ↓ ↓  
 मानव विज्ञान - मानव विज्ञान

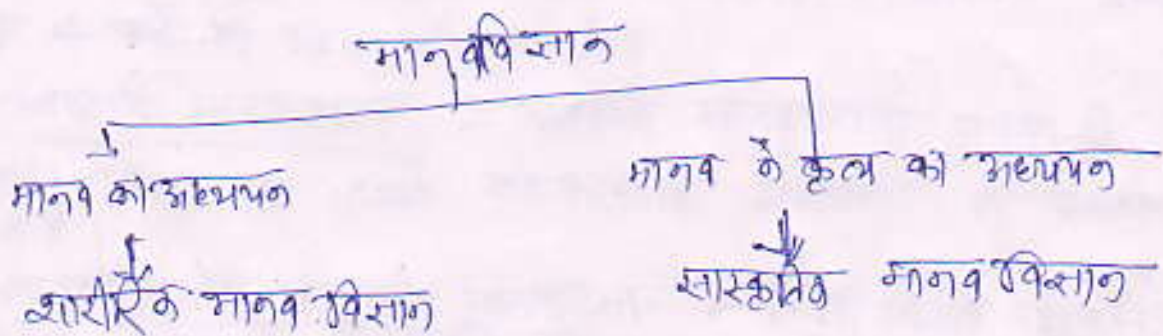
i.e. मानवशास्त्र मानव का वैज्ञानिक पढ़ाई को अध्ययन करता है।

'Herskovits' के अनुसार - मानवशास्त्र मानव एवं उनके क्रिया कलापों का अध्ययन करता है। (The study of Man & his work)

Clyde Kluckhohn - मानवशास्त्र को "मनुष्य की दर्पण" कहा।

Hoebel - "मानवशास्त्र मानव और उसके समाज कामों का अध्ययन है।"

मानवशास्त्र में मानव के सामाजिक सांस्कृतिक परम के ज्ञान ज्ञान उसके आधुनिक परम को भी अध्ययन किया जाता है।



Dr. Ranju Kumari (Dept. of Anthropology)  
RLS Y College Ranchi

core - 1, unit 1

Topic → मानवशास्त्र की विभिन्न शाखाएं

मानवशास्त्र की मुख्य शाखाएं निम्नलिखित हैं ?

1. शारीरिक मानवशास्त्र (Physical Anthropology)
2. प्रागैतिहासिक मानवशास्त्र (Prehistoric/Archaeology)
3. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवशास्त्र (Social-cultural Anthropology)
4. भाषायी मानवशास्त्र (Linguistics Anthropology)
5. व्यवहारिक या क्रियाशील मानवशास्त्र - Applied & Action Anthropology

1. शारीरिक मानवशास्त्र - इस शाखा के क्रमगत मानव की शारीरिक उत्पत्ति, विकास, शारीरिक विशेषताएं इत्यादि का अध्ययन किया जाता है। पूर्व में मानव से ऊपर के मानवों का शारीरिक विकास का अध्ययन किया जाता है।
2. प्रागैतिहासिक मानवशास्त्र - इस शाखा के क्रमगत मानव के उस काल की संस्कृति का अध्ययन किया जाता है जिसमें कोई लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है। जीवाश्मों तथा अवशेषों पर आधारित अध्ययन किया जाता है।
3. सामाजिक-सांस्कृतिक मानवशास्त्र - इस शाखा के क्रमगत मानव समाजसामाजिक संस्कृति का अध्ययन किया जाता है। मानव के सभी सामाजिक पक्ष - सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, इत्यादि पक्षों का अध्ययन करता है।
4. भाषायी मानवशास्त्र - भाषायी मानवशास्त्र भाषा की उत्पत्ति, विकास एवं उसके व्याकरणिक संरचना का अध्ययन करता है।
5. व्यवहारिक या क्रियाशील मानवशास्त्र - किसी विशेष संस्कृति में विभिन्न व्यवहारिक समस्याओं के समाधान के लिए सबसे सफल तरीकों

Dr. Ranju Kumar (Dept of Anthropology)  
(RISY college Ranchi)

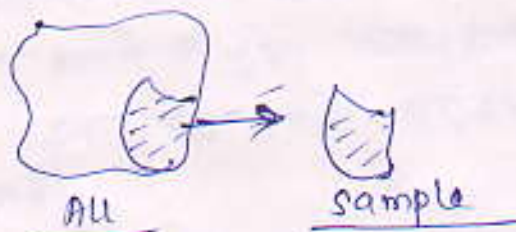
SEM I → core - 2 unit - II

Topic - SAMPLING

शैक्षिक अनुसंधान में मुख्यतः दो पद्धतियों उपयोग होते हैं -

- (1) जनगणना पद्धति
- (2) निर्देशन पद्धति -

जनगणना पद्धति में किसी सम्पूर्ण जनसंख्या भागफल विषय के समस्त इकाइयों का अध्ययन किया जाता है जबकि निर्देशन वह पद्धति है जिसमें सम्पूर्ण जनसंख्या के समस्त इकाइयों का अध्ययन न कर समग्र में से कुछ इकाइयों का अध्ययन किया जाता है जो समग्र की प्रतिनिधित्व करती हैं।



✓ गुंडे एवं धर के अनुसार "निर्देशन एक विस्तृत समूह की अपेक्षा छोटा समूह होता है"

Types of sampling

1. रैंडम निर्देशन पद्धति (Random sampling Method)
2. उद्देश्यपूर्ण निर्देशन प्रणाली (Purposive sampling)

Sub Types of Random sampling Method

- a. लॉटरी प्रणाली - Lottery Method
- b. कार्ड प्रणाली - Card Method
- c. नियमित अंतर प्रणाली - Regular Marking Method
- d. नियमित अंतर प्रणाली - Irregular Marking Method
- e. टिपेट प्रणाली - Tippet Method
- (f) ग्रिड प्रणाली - Grid Method

Dr. Ranja Kumari (Dept Anthropology)  
(RLSY college Ranchi)

SEMESTER - II

Core - 3 - Unit - I

Topic - BIOLOGICAL ANTHROPOLOGY ?

Introduction

Biological Anthropology - मानवविज्ञान का वह सैन मानव

के उदयविकास, उसकी आशरीरक संरचना, उसकी प्रकृति तथा विभिन्न मानव समूहों की भिन्नताओं का वैज्ञानिक अध्ययन क्या है।

Hoebel के अनुसार "आशरीरक मानवविज्ञान मानव की आशरीरक विशेषताओं का अध्ययन है।"

यह वैज्ञानिक जब मानव के उदयव-वृद्धि से उत्पन्न स्वरूप के विकास, विभिन्न स्वरूपों के मानवों में क्या अंतर है, उनमें से भिन्नताएँ किन कारणों से हुई हैं, वेदानुक्रम का प्रभाव मानव पर किस प्रकार पड़ा है, इन समस्त तथ्यों का अध्ययन आशरीरक मानवविज्ञान में किया जाता है।

Scope of Physical Anthropology

1. आशरीरक मानवविज्ञान का लक्ष्य मानव के शरीर से संबंधित तथ्यों का ठीक ठीक वर्णन करना
2. तथ्यों से संबंधित धारणाओं का उचित विश्लेषण एवं वर्गीकरण के माध्यम से सामान्य परिणाम निकालना
3. परिवर्तन और प्रक्रियाओं के कारणों तथा दिशाओं को निर्दिष्ट करना
4. अविद्यमान के होने वाले परिवर्तनों की ओर संकेत करना

इस विज्ञान के अन्तर्गत मानव पशु से

धीरे धीरे मोघावी मानव के किस प्रकार विकसित हुआ।

इस क्रम में उसके आशरीरक स्वरूप में कौन कौन से परिवर्तन हुए अन्तर्गत के अध्ययन किया जाता है।